आकाशवाणी

क्षेत्रीय समाचार एकांश

देहरादून (उत्तराखण्ड)

सोमवार 04.11.2024 समय 1830

मुख्य समाचार :–

- अल्मोड़ा जिले में एक बस के खाई में गिरने से 36 लोगों की मृत्यु, 27 घायल।
- राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने अल्मोडा में हुए बस हादसे पर दुख व्यक्त किया है।
- केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल ने गंगा समेत देश की सभी नदियों को स्वच्छ और निर्मल बनाए रखने का आह्वान किया।
- केदारनाथ विधानसभा उप चुनाव के लिए चुनाव प्रचार चरम पर, भाजपा, कांग्रेस, यूकेड़ी समेत छह प्रत्याशी चुनावी मैदान में।
- रेलवे, छठ पर्व के मद्देनजर यात्रियों की सुविधा और सुगम यात्रा के लिए 185 विशेष रेलगाडियों का संचालन कर रहा है।

अल्मोड़ा दुर्घटना– 01

अल्मोड़ा जिले के मर्चुला में एक बस के खाई में गिरने से 36 लोगों की मृत्यु हो गई, जबकि 27 अन्य लोग घायल हुए हैं। घटनास्थल पर एसडीआरएफ, एनडीआरएफ, पुलिस और स्थानीय प्रशासन का राहत और बचाव कार्य जारी है। मुख्यमंत्री ने कुमाऊं मंडल के आयुक्त दीपक रावत को घटना के मजिस्ट्रियल जाँच और संबंधित एआरटीओ को निलंबित करने के निदेश दिए हैं। अल्मोड़ा के जिला आपदा प्रबंधन अधिकरी विनीत पॉल ने आकाशवाणी से बातचीत में बताया कि दुर्घटनाग्रस्त बस पौड़ी जिले के नैनीडांडा से रामनगर जा रही थी। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री के निर्देश पर गंभीर घायलों को एयर लिफ्ट कर हायर सेंटर भेजा गया है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, राज्यपाल गुरमीत सिंह और स्वास्थ्य मंत्री डॉ धन सिंह रावत ने अल्मोडा में हुए बस हादसे पर दुख व्यक्त किया है। राष्ट्रपति ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि यह दिल दहला देने वाली घटना है जिसमें महिलाओं और बच्चों सहित इतने सारे लोगों की जान चली गई।

अल्मोड़ा दुर्घटना– 02

प्रधानमंत्री ने सड़क दुर्घटना में अपने प्रियजनों को खोने वाले लोगों के प्रति संवेदना व्यक्त की। श्री मोदी ने सभी घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की देखरेख में स्थानीय प्रशासन राहत तथा बचाव के लिए हरसंभव प्रयास कर रहा है। प्रधानमंत्री ने प्रत्येक मृतक के निकटतम परिजन को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से दो लाख रुपये की अनुग्रह राशि और घायलों को 50 हजार रुपये देने की घोषणा की है। मुख्यमंत्री ने मृतकों के परिवारों को 4–4 लाख रुपये और घायलों को 1–1 लाख रुपये की आर्थिक सहायता देने का आदेश दिया है। उन्होंने कुमाऊं मंडल के आयुक्त को घटना की मजिस्ट्रेट जांच के निर्देश दिए हैं। इस बीच, मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, गढ़वाल सांसद अनिल बलूनी और स्वास्थ्य मंत्री डॉ धन सिंह रावत ने ऋषिकेश स्थित एम्स में घायलों से मुलाकात कर उनका हालचाल जाना। मुख्यमंत्री ने सभी घायलों को बेहतर उपचार उपलब्ध करवाने के निर्देश दिए हैं।

गंगा उत्सव

केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल ने गंगा समेत देश की सभी नदियों को स्वच्छ और निर्मल बनाए रखने का आह्वान किया। श्री पाटिल ने आज हरिद्वार के चंडी घाट स्थित नमामि गंगे घाट पर भव्य गंगा उत्सव का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में गंगा समेत देश की सभी नदियों को स्वच्छ और निर्मल बनाए रखने के लिए अनेक योजनाएं चलाई जा रही हैं। गंगा संरक्षण के उद्देश्य से राष्ट्रीय गंगा मिशन इस महोत्सव का आयोजन कर रहा है। साथ ही गंगा की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक महत्ता को लोगों तक पहुंचाने और स्वच्छता के प्रति जन जागरुकता बढ़ाना है।

गौरतलब है कि यह गंगा उत्सव का आठवां संस्करण है। हरिद्वार में मुख्य उत्सव के साथ यह उत्सव उत्तरकाशी सहित गंगा तटीय 139 स्थान पर भी मनाया जा रहा है।

केदारनाथ विस उप चुनाव

केदारनाथ विधानसभा उप चुनाव के लिए चुनाव प्रचार चरम पर है। भाजपा, कांग्रेस, यूकेड़ी और निर्दलीय प्रत्याशी रोड़–शो, रैली, जनसंपर्क और जनसभा के जरिए मतदाताओं को अपने पक्ष में मतदान करने की अपील कर रहे हैं। भाजपा प्रत्याशी आशा नौटियाल ने कहा कि प्रदेश सरकार केदारनाथ व केदारघाटी सहित समूची विधानसभा के विकास के लिए निरंतर प्रयास कर रही है। वहीं, कांग्रेस के प्रत्याशी मनोज रावत ने कहा कि क्षेत्र का विकास उनकी पहली प्राथमिकता है। उधर, उत्तराखंड क्रांति दल के प्रत्याशी डा. आशुतोष भंडारी ने कहा कि एक क्षेत्रीय दल के प्रत्याशी के तौर पर वे क्षेत्रीय मुद्दों को बड़े मंचों पर

लाने के लिए निरंतर प्रयास करेंगे। चुनाव में निर्दलीय प्रदीप रोशन रुडिया, अभिषेक भंडारी और त्रिभुवन चौहान भी मैदान में हैं। इस बीच, निर्वाचन आयोग मतदान और मतगणना की तैयारियों में जुटा है। निर्वाचन आयोग के अनुसार उप चुनाव में भाजपा, कांग्रेस और उक्रांद के प्रत्याशियों सहित कुल छह प्रत्याशी चुनावी मैदान में हैं। आज नाम वापसी के अंतिम दिन किसी भी प्रत्याशी ने नाम वापस नहीं लिया। इस सीट पर 20 नवंबर को मतदान और 23 मतगणना होगी।

तुंगनाथ धाम

रुद्रप्रयाग जिले में पंचकेदारों में प्रतिष्ठित तृतीय केदार तुंगनाथ मंदिर के कपाट आज सुबह 11 बजे शुभ मुहूर्त पर वैदिक मंत्रोंच्चार के साथ शीतकाल के लिए बंद हो गए। इस वर्ष एक लाख 75 हजार से अधिक ने तुंगनाथ की यात्रा की। कपाट बंद होने के बाद भगवान तुंगनाथ की उत्सव डोली ने स्थानीय वाद्य यंत्र ढोल– दमाऊ और बाबा तुंगनाथ के जय उद्घोष के साथ शीतकालीन गद्दीस्थल के लिए प्रस्थान किया।

केदारनाथ यात्रा

विश्व प्रसिद्ध केदारनाथ धाम के कपाट कल भैया दूज के पावन पर्व पर शीतकाल के लिए बंद कर दिए गए। इस वर्ष 16 लाख 52 हजार 76 श्रद्धालुओं ने केदारनाथ के दर्शन किए। इस यात्रा काल में घोड़ा–खच्चर, हेलिकॉप्टर और डंडी–कंडी से 2 अरब 53 करोड़ रूपये का कारोबार हुआ। *केदारनाथ यात्रा में घोड़ा–खच्चर, हेलिकॉप्टर और डंडी–कंडी ने कारोबार को नई दिशा दी है। साथ ही हजारों परिवारों की आजीविका को भी बल मिला है। विषम परिस्थितियों के बावजूद यात्रा को लेकर श्रद्धालुओ का उत्साह अपने चरम पर रहा, जिससे कारोबार को भी रफ्तार मिली। इस यात्रा काल में पहली बार हेलीकॉप्टर कंपनियों ने अपना कारोबार 1 अरब के पार पहुंचाया, जबकि घोड़े–खच्चरों के संचालकों ने इस यात्रा काल में 1 अरब 6 करोड़ 88 लाख 96 हजार रुपये का कारोबार कर रिकार्ड बनाया। इस बार पशुपालन विभाग ने यात्रा के लिए 8 हजार 200 घोड़े–खच्चरों का पंजीकरण किया था। इस वर्ष 9 मई से 2 नवंबर तक सोनप्रयाग व गौरीकुंड से पूरे यात्राकाल में 3 लाख 34 हजार 30 यात्री घोड़ा–खच्चरों से केदारनाथ पहुंचे थे। वहीं, 1 लाख 45 हजार 594 यात्री बाबा केदार के दर्शन कर घोड़ा–खच्चर से गौरीकुंड व सोनप्रयाग लौटे।*

उत्तरकाशी यात्रा

उत्तरकाशी जिले में यमुनोत्री और गंगोत्री धाम के कपाट बंद होने के साथ ही चारधाम यात्रा का वर्तमान सत्र सकुशल संपन्न हो गया है। इस यात्रा काल में गंगोत्री और यमुनोत्री धाम में कुल 15 लाख 30 हजार 28 तीर्थयात्रियों ने दर्शन किए। *उत्तरकाशी स्थित गंगोत्री मंदिर के कपाट 2 नवंबर और यमुनोत्री मंदिर*

के कपाट 3 नवंबर को शीतकाल के लिए बंद कर दिए गये हैं। कपाट बंद होने के साथ ही मां गंगा और यमुना की उत्सव डोली अपने शीतकालीन गद्दीस्थल पहुंच गयी है। अब शीतकाल में गंगोत्री की उत्सव डोली मुखवा और यमुनोत्री की उत्सव डोली खरसाली स्थित यमुना मंदिर में विराजमान रहेगी, जहां श्रद्धालु अगले छह माह तक दर्शन और पूजा–अर्चना कर सकेंगे। चारधाम यात्रा के सुचारू, सुरक्षित और सुव्यवस्थित संचालन के फलस्वरूप इस बार दोनों धामों में तीर्थयात्रियों की संख्या में रिकॉर्ड वृद्धि दर्ज की गई है। इस साल गंगोत्री धाम में 8 लाख 15 हजार 273 श्रद्धालुओं और यमुनोत्री धाम में 7 लाख 14 हजार 755 तीर्थयात्रियों ने दर्शन किए।